चीनी में बिकवाली से मुनाफा

आर एस राणा ◆ नई दिल्ली

पहली अक्टूबर से शुरू होने वाले गन्ना पेराई सीजन 2013-14 में चीनी का उत्पादन 250 लाख टन होने का अनुमान है जबकि घरेलू बाजार में बकाया स्टॉक भी करीब 80 लाख टन का बचा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम नीचें होने की वजह से चीनी के निर्यात पड़ते भी नहीं के बराबर लग रहे हैं। इसलिए वायदा बाजार में निवेशक मौजूदा कीमतों पर चीनी की बिकवाली करके मुनाफा कमा सकते हैं। हाजिर बाजार में महीने भर में चीनी की कीमतों में करीब 150 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट आ चुकी है। वायदा बाजार में चालू महीने में चीनी की कीमतों में 4.1 फीसदी की गिरावट आ चुकी है।

एनसीडीईएक्स पर नवंबर महीने के वायदा अनुबंध में चीनी की कीमतों में चालू महीने में करीब 4.1 फीसदी की गिरावट आई है। 3 सितंबर को नवंबर महीने के वायदा अनुबंध में चीनी का भाव 3,052 रुपये प्रति क्विंटल था जबकि शुक्रवार को भाव घटकर 2,926 रुपये प्रति क्विंटल रह गए। ब्रोकिंग फर्म इंडिया बुल्स कमोडिटी लिमिटेड के असिस्टेंट वाइस प्रेसीडेंट रिसर्च (कमोडिटी) बद्दरुदीन खान ने बताया कि गन्ने के बुवाई क्षेत्रफल में भले ही कमी आई हो, लेकिन अनुकूल मौसम से नए पेराई सीजन में चीनी की पैदावार बढ़ने का अनुमान है। बकाया स्टॉक और उत्पादन को मिलाकर चीनी की कुल उपलब्धता मांग के मुकाबले ज्यादा ही रहेगी। ऐसे में चीनी की कीमतों में आगामी दिनों में मंदे की ही संभावना है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के अनुसार पहली अक्टूबर से शुरू होने वाले नए पेराई सीजन 2013-14 में चीनी का उत्पादन 250 लाख टन होने का अनुमान है जबकि नए पेराई सीजन के समय बकाया भी करीब 80 लाख टन चीनी का स्टॉक बचेगा। ऐसे में चीनी की कुल उपलब्धता करीब 330 लाख टन की बैठेगी, जबकि देश में चीनी की सालाना खपत करीब 225 से 230 लाख टन की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दाम नीचे बने हुए हैं जिससे निर्यात भी सीमित मात्रा में ही हो रहा है। चालू पेराई सीजन 2012-14 में भी चीनी का उत्पादन 250 लाख टन का हुआ है।

एसएनबी इंटरप्राइजेज के प्रबंधक सुधीर भालोठिया ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में व्हाइट शुगर के दाम 490 डॉलर प्रति टन चल रहे हैं इन भावों में पड़ोसी देशों को निर्यात सीमित मात्रा में ही हो रहा है। चालू पेराई सीजन में चीनी मिलों ने चीनी की बिकवाली लागत से भी कम भाव पर की है तथा अक्टूबर से शुरू होने वाले नए पेराई सीजन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने अभी तक राज्य समर्थित मूल्य (एसएपी) घोषित नहीं किया है। चालू पेराई सीजन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने 280 रुपये प्रति क्विंटल एसएपी तय किया हुआ था, तथा नए पेराई सीजन में इसमें बढ़ोतरी की ही उम्मीद है। ऐसे में मिलों की लागत तो बढ़ जायेगी लेकिन चीनी के दाम बढ़ने की संभावना नहीं है। जिससे मिलों पर बिकवाली का दबाव रहेगा। ऐसी स्थिति में चीनी की कीमतों में नए पेराई सीजन में भी तेजी की संभावना नहीं है।

बिजनेस भास्कर
28/9/13